

२३

५
२५

पञ्जावली पैरु हूँ वकील पार्सी को आवाज लाई
गई। वर-कर आवाज लगाते के आवाज भी
वकील पार्सी आवाज में हाथि वही हौं
ए आवाज २२ रात को आवाज एसी तक
पैरु में आवाज किन गाल को पञ्जावली
पैरुल शुकर होकर आवाज से का होकर
कापिल दफ्त हो।

उपस्थान अधिकारी, दांतारामगढ़